

## आंध्र प्रदेश राज्य का नरिमाण और वशिष श्रेणी का दरज़ा

### प्रलिमिंस के लयि:

धर आयोग, जे.वी.पी. समति, फज़ल अली आयोग, राज्य पुनरगतन अधनियिम (1956), राज्य पुनरगतन अधनियिम, 1956, [आंध्र प्रदेश पुनरगतन अधनियिम, 2014](#), [वशिष श्रेणी का दरज़ा \(SCS\)](#), 14वाँ वतित आयोग, अनुच्छेद 2, अनुच्छेद 3 ।

### मेन्स के लयि:

वभिनिन भाषाई आयोगों की प्रमुख सफिरशिं और राष्ट्र की एकता तथा अखंडता पर इसके नहितारथ ।

[स्रोत: द हदि](#)

### चर्चा में क्यो?

हाल ही में [आंध्र प्रदेश](#) ने दो राज्यों, [आंध्र प्रदेश](#) और [तेलंगाना](#), में वभिजन की **10वीं वर्षगाँठ** मनाई ।

- यह महत्त्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव [तेलुगु लोगों](#) के राजनीतिक, आर्थिक और ऐतिहासिक परिदृश्य पर इसके व्यापक प्रभावों का पता लगाने का एक सम्मोहक अवसर प्रदान करता है ।

### आंध्र प्रदेश भाषाई आधार पर कैसे वभिजति हुआ है?

#### ■ पृष्ठभूमि:

- दसिंबर 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के नागपुर अधविशन में प्रांतीय कॉन्ग्रेस समतियों को भाषाई आधार पर पुनरगतति करने का नरिणय लया गया ।
  - इस कदम का उद्देश्य वभिनिन भाषाई समूहों के हतियों को बढ़ावा देना था । इससे भाषाई राज्यों की मांग बढ़ रही है ।
- इस आंदोलन की जड़ें भाषाई पुनरगतन आंदोलनों के दौरान देखी जा सकती हैं, जसिने स्वतंत्रता के बाद भारत में गतिपिकड़ी ।
- तेलुगु भाषी व्यक्तियों के लयि एक अलग राज्य की मांग उनकी भाषाई और सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने तथा बढ़ावा देने की इच्छा से प्रेरति थी ।

#### ■ भाषाई राज्य के लयि आंदोलन:

- इस आंदोलन के सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों में से एक **पोट्टी शरीरामुलु**, गांधीवादी और सामाजिक कार्यकर्ता थे ।
- उन्होंने तेलुगु भाषी लोगों के लयि अलग [आंध्र प्रदेश](#) राज्य के नरिमाण की मांग को लेकर 19 अक्टूबर, 1952 को भूख हड़ताल की ।
- **56 दिनों के उपवास के बाद उनकी शहादत** ने आंदोलन को तीव्र कर दिया और भारत सरकार को भाषाई पुनरगतन पर अपने रुख पर पुनर्विचार करने के लयि मजबूर कर दिया ।

#### ■ राज्यों के भाषाई पुनरगतन के लयि आयोग: भारत की केंद्र सरकार ने भाषाई आधार पर राज्यों के पुनरगतन के संबंध में जाँच करने और सफिरशिं देने के लयि समय-समय पर कई आयोगों की स्थापना की । कुछ संबंधित आयोग इस प्रकार हैं:

##### ○ धर आयोग (1948):

- उद्देश्य: भाषाई आधार पर राज्यों के पुनरगतन की व्यवहार्यता की जाँच करना ।
- परिणाम: एस.के.धर की अध्यक्षता वाले धर आयोग ने केवल भाषा के आधार पर पुनरगतन के विचार का समर्थन नहीं किया । इसने भाषाई एकरूपता की तुलना में प्रशासनिक दक्षता पर अधिक ज़ोर दिया ।

##### ○ जे.वी.पी. समति (1948-1949):

- सदस्य: जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल और पट्टाभ सीतारमैया ।
- उद्देश्य: धर आयोग की सफिरशिं के बाद भाषाई राज्यों की मांगों का पुनर्मूल्यांकन करना ।

- **परिणाम:** जे.वी.पी. समिति ने राज्यों के पुनर्गठन को पूरी तरह भाषाई आधार पर न करने की सफ़ारिश की तथा सुझाव दिया कि इस तरह के पुनर्गठन से प्रशासनिक कठिनाइयाँ और राष्ट्रीय वधितन हो सकता है।
- **फज़ल अली आयोग (राज्य पुनर्गठन आयोग) (1953-1955):**
  - **सदस्य:** फज़ल अली (अध्यक्ष), के.एम. पणकिकर, और एच.एन. कुंज़रू।
  - **उद्देश्य:** भाषाई एवं अन्य आधारों पर राज्यों के पुनर्गठन के सम्पूर्ण प्रश्न की जाँच करना।
  - **परिणाम:** इसने भाषाई आधार पर राज्यों के नरिमाण की सफ़ारिश की, लेकिन राष्ट्रीय एकीकरण और प्रशासनिक सुवधि सुनिश्चित करने के लिये कुछ आरक्षणों के साथ। इसकी सफ़ारिशों के कारण भाषाई आधार पर कई राज्यों का गठन हुआ।
- **राज्य पुनर्गठन अधिनियम (1956):**
  - यह फज़ल अली आयोग की सफ़ारिशों पर आधारित था।
  - इस अधिनियम के कारण भारत भर में राज्य की सीमाओं का पुनर्गठन हुआ, जिससे देश के राजनीतिक मानचित्र में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन आया।
  - **राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956** के तहत **हैदराबाद राज्य के तेलुगु भाषी क्षेत्रों को आंध्र राज्य में मिलाकर वस्तितारत आंध्र प्रदेश का नरिमाण कथिा गया।**
- **आंध्र राज्य का गठन:**
  - **पोट्टी शरीरामलु** की मृत्यु के कारण हसिक वरिध प्रदर्शन हुए और काफी जन आक्रोश उत्पन्न हुआ तथा कई समतियों की सफ़ारिशों के बाद भारत सरकार ने भाषाई आधार पर एक अलग राज्य बनाने का नरिणय लथिा।
  - **भारत का पहला भाषाई राज्य**, जिसे **आंध्र राज्य** के रूप में जाना जाता है, **मद्रास राज्य से तेलुगु भाषी क्षेत्रों को अलग करके बनाया गया था।**
- **2 जून, 2014 को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014** के माध्यम से आंध्र प्रदेश के **उत्तर-पश्चिमी भाग** को अलग कर दिया गया और **29वें राज्य तेलंगाना** का नरिमाण कथिा गया।
- आंध्र प्रदेश को **वशिष श्रेणी का दर्ज़ा (SCS)** देने का मुद्दा वर्ष 2014 में राज्य के वभिजन के बाद से एक महत्त्वपूर्ण और वविदास्पद वषिय रहा है।

## वशिष श्रेणी का दर्ज़ा (Special Category Status- SCS) क्या है?

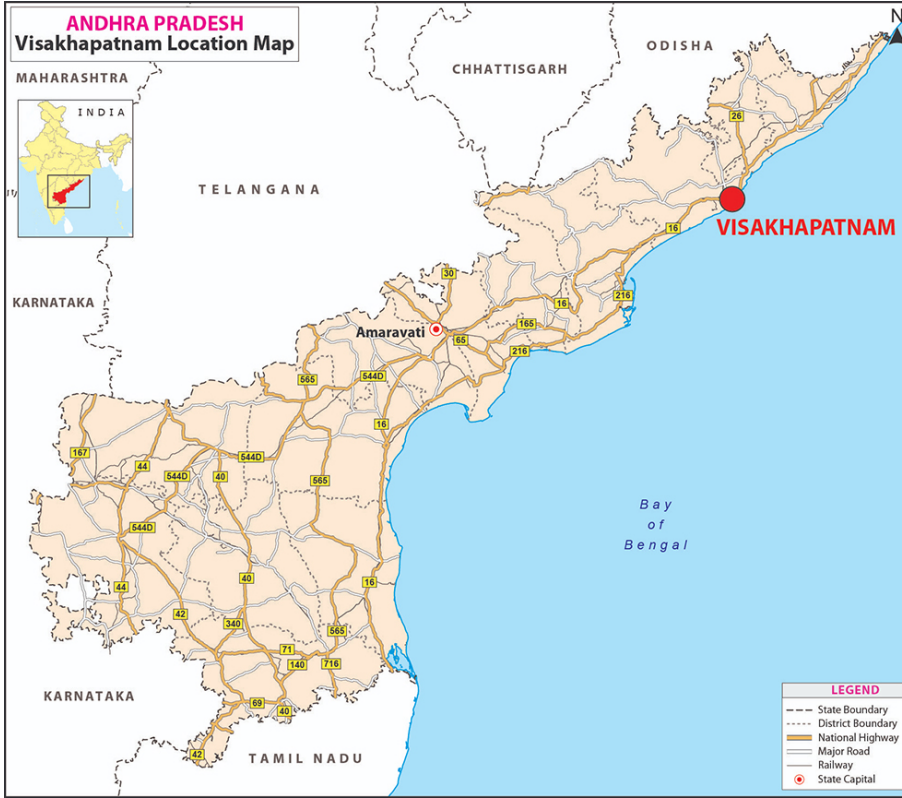
- **परचिय:**
  - **SCS** एक वर्गीकरण है जो केंद्र द्वारा कुछ राज्यों को **भौगोलिक और सामाजिक-आर्थिक वषिमताओं** के आधार पर **वकिस में सहायता** के लिये दिया जाता है।
  - यह योजना **पाँचवें वतित्त आयोग** की सफ़ारिश पर **वर्ष 1969** में शुरू की गई थी।
- **कसिी राज्य को SCS प्रदान करने के लथिे वचिार कथिे जाने वाले कारक:**
  - पहाड़ी और दुरगम इलाका
  - कम जनसंख्या घनत्व और/या जनजातीय आबादी का बड़ा हसिसा
  - अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के साथ रणनीतिक स्थान
  - आर्थिक और अवसंरचनात्मक पछिड़ापन
  - राज्य के वतित्त की गैर-व्यवहार्य प्रकृति
- **14वें वतित्त आयोग ने पूर्वोत्तर और तीन पहाड़ी राज्यों को छोड़कर शेष राज्यों के लथिे 'वशिष श्रेणी का दर्ज़ा' समाप्त कर दिया है।**
- **वशिष दर्ज़ा वाले राज्य:** अरुणाचल प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, मणपुर, मेघालय, मज़ोरम, नगालैंड, सकिक्मि, त्रपुरा तथा उत्तराखंड।

## नये राज्य के गठन के लथिे संवैधानिक प्रावधान क्या हैं?

- **अनुच्छेद 2:**
  - संसद वधिद्वारा ऐसे नबिधनों और शर्तों पर नये राज्यों को संघ में शामिल कर सकेगी या उनकी स्थापना कर सकेगी, जिन्हें वह ठीक समझे।
- **अनुच्छेद 3:**
  - **नये राज्यों का गठन तथा वदियमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन:**
    - कसिी राज्य से क्षेत्र को अलग करके या दो या अधिक राज्यों या राज्यों के भागों को मिलाकर या कसिी राज्य के कसिी भाग में कसिी अन्य राज्य के क्षेत्र को मिलाकर एक नया राज्य बनाना
    - कसिी राज्य का क्षेत्रफल बढ़ाना
    - कसिी राज्य का क्षेत्रफल कम करना
    - कसिी राज्य की सीमाएँ परिवर्तित करना
    - कसिी राज्य का नाम बदलना

## आंध्र प्रदेश राज्य के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य क्या हैं?

- सीमा: राज्य की सीमा उत्तर में छत्तीसगढ़, उत्तर-पूर्व में ओडिशा, पश्चिम में तेलंगाना और कर्नाटक, दक्षिण में तमिलनाडु तथा पूर्व में बंगाल की खाड़ी से लगती है।



- त्यौहार: [उगाद](#), [पेददा पंडुगा](#), [पोंगल](#)

- कला और संस्कृति: थोलू बोम्मालता (कठपुतली शो), दपू (ताल नृत्य), वीरा नाट्यम (बहादुरों का नृत्य), तपपेटा गुल्लू (वर्षा देवता का नृत्य), कोलट्टम, लंबाडी (खानाबदोशों का नृत्य), [कुचपिडी](#), भामा कलापम, [यकषगान](#), [कलमकारी \(वस्त्र कला\)](#)।

- वन्यजीव और पक्षी अभयारण्य:

- [नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रज़िर्व](#)
- [पुलकिट झील पक्षी अभयारण्य](#)
- [कोरगि वन्यजीव अभयारण्य \(मैंग्रोव वन\)](#)
- [कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य](#)
- [अटापका पक्षी अभयारण्य \(कोलेरु झील\)](#)
- [पापकिंडा वन्यजीव अभयारण्य](#)

- जनजातियाँ: [वेंचु](#), [गदाबास](#), [सवारा](#), [कोंध](#), [कोलम](#), [पोरजा](#)

???????? ???? ????:

भारत में राज्यों के भाषाई पुनर्गठन के ऐतिहासिक संदर्भ और महत्त्व पर चर्चा कीजिये, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश के गठन की घटनाओं पर ध्यान केंद्रित कीजिये।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. केंद्र और राज्यों के बीच होने वाले विवादों का नरिणय करने की भारत के उच्चतम न्यायालय की शक्त किसके अंतर्गत आती है?

- (a) परामर्शी अधिकारिता के अंतर्गत
- (b) अपीली अधिकारिता के अंतर्गत
- (c) मूल अधिकारिता के अंतर्गत
- (d) रटि अधिकारिता के अंतर्गत

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/creation-of-andhra-pradesh-and-special-category-status>

